भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †35

सोमवार, 25 नवंबर, 2024/4 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

अमृत काल में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा

†35. श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:
श्रीमती भारती पारधी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का अमृत काल के दौरान देश में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्तमान में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या कितनी है;

(घ) भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ङ) क्या देश में पर्यटन क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए रेल नेटवर्क और अन्य बुनियादी ढांचे में सुधार की आवश्यकता है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए रेल नेटवर्क और अन्य बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (च): अमृत काल के दौरान देश में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, पर्यटन मंत्रालय ने निम्नलिखित पहल की हैं: -

- पर्यटन मंत्रालय देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करने के लिए संभावित अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में कई संवर्धनात्मक कार्यकलाप करता है। इसमें मीडिया अभियान, सोशल मीडिया पर प्रचार, वेबिनार, प्रचार कार्यक्रमों में भागीदारी और समर्थन, वेबसाइट के माध्यम से सूचना का प्रसार

और सहभागिता आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, विदेश स्थित भारतीय मिशन भी देश के विभिन्न पर्यटक गंतव्यों की ओर अधिक से अधिक वैश्विक पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न संवर्धनात्मक कार्यकलाप करते हैं।

- पर्यटन मंत्रालय ने अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल पर अतुल्य भारत कंटेंट हब लॉन्च किया है, जो एक व्यापक डिजिटल संग्रह है और जिसमें भारत में पर्यटन से संबंधित उच्च गुणवत्तापूर्ण छवियों, फिल्मों, ब्रोशर और समाचार-पत्रों का एक समृद्ध संकलन है। इस संग्रह को टूर ऑपरेटरों, पत्रकारों, छात्रों, शोधकर्ताओं, फिल्म निर्माताओं, लेखकों, इंफ्लुएंसर्स, कंटेंट निर्माताओं, सरकारी अधिकारियों और राजदूतों सहित विभिन्न प्रकार के हितधारकों के उपयोग के लिए तैयार किया गया है।
- पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थ स्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक योजनाओं के अंतर्गत देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- मंत्रालय ने गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और सुरक्षित गंतव्यों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0) के तौर पर नया रूप दिया है।
- पर्यटन मंत्रालय मेलों/महोत्सवों और पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता रहा है।
- पर्यटन मंत्रालय बेहतर गुणवत्ता वाली सेवा प्रदान करने के लिए जनशक्ति को प्रशिक्षित और उन्नत करने हेतु 'सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण' (सीबीएसपी) योजना के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।
- देश भर के पर्यटन स्थलों पर अच्छी संख्या में स्थानीय और प्रशिक्षित पेशेवरों की उपलब्धता सुनिश्चित कर पर्यटकों के समग्र अनुभव को बढ़ाने के लिए मंत्रालय ने अतुल्य भारत पर्यटक सुविधा प्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम नामक एक अखिल भारतीय ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।

भारतीय रेल ने रेल नेटवर्क और अन्य अवसंरचनाओं में सुधार करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

(i) रेल अवसंरचना परियोजनाएं लाभप्रदता, अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकीर्ण/जीर्ण लाइनों में सुधार, सामाजिक-आर्थिक कारकों, पर्यटक और सांस्कृतिक स्थलों के लिए कनेक्टिविटी बढ़ाने आदि के आधार पर शुरू की जाती हैं, जो चालू परियोजनाओं की देयताओं, निधियों की समग्र उपलब्धता और

आवश्यक मांगों पर आधारित होती हैं। दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार भारतीय रेलवे में लगभग 7.44 लाख करोड़ रु. की लागत की कुल 44,488 किलोमीटर की लंबाई वाली 488 रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं (187 नई लाइन, 40 गॉज परिवर्तन और 261 दोहरीकरण) में से 12,045 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन को चालू किया गया है, जिस पर 2.92 लाख करोड़ रु. खर्च हुए हैं। संपूर्ण भारतीय रेल की अवसंरचनाओं का संवर्धन करना एक सतत प्रक्रिया है।

ii) रेल मंत्रालय ने हाल ही में भारतीय रेल के रेल स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर सुविधाओं, जैसे स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकतानुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म सरफेसिंग और प्लेटफॉर्म पर कवर, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए चिह्नित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि में सुधार के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका कार्यान्वयन शामिल है। भारतीय रेल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अब तक 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है।

iii) राष्ट्रीय रेल योजना (एनआरपी) के तहत, भारत में लगभग 243 पर्यटन स्थलों को चिह्नित किया गया था। इनमें से 111 स्थल पहले से ही मौजूदा रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं, जिसमें 30 पर्यटन स्थल निकटतम रेलवे स्टेशन से 10 किमी की दूरी पर और 30 स्थल 15 किमी की दूरी पर हैं। शेष 72 स्थान मुख्यत: वन्यजीव अभयारण्य, समुद्र तट और पर्वतीय भू-भाग में स्थित क्षेत्र हैं, जहां रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना या तो उपयुक्त नहीं है या मुश्किल है।

इसके अलावा, पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने की दृष्टि से, रेल मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय द्वारा 22 रेलवे स्टेशनों पर पर्यटक सुविधाओं के संयुक्त विकास हेतु परियोजनाओं को साझा लागत के आधार पर मंजूरी दी गई थी।

वर्ष 2023 और 2024 (अगस्त तक) के दौरान देश में माह-वार विदेशी पर्यटकों के आगमन (एफटीए) का विवरण नीचे दिया गया है:

	विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) (लाख में)	
माह	**2023**	**2024 @**
जनवरी	8.91	9.59

फरवरी	8.93	10.03
मार्च	8.25	8.60
अप्रैल	6.26	6.51
मई	6.18	6.00
जून	6.68	7.06
जुलाई	7.86	7.76
अगस्त	6.64	6.36
सितम्बर	6.67	-
अक्तूबर	8.32	-
नवम्बर	9.49	-
दिसम्बर	11.02	-
कुल (जनवरी-अगस्त)	**59.71**	**61.91**
कुल योग	**95.21**	**-**

@: अनंतिम

स्रोत: आप्रवासन ब्यूरो (बीओआई)

*****